विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्व दुग्ध दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

पंतनगर। १ जून २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय द्वारा विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर 'दुग्ध उत्पादकता, गुणवत्ता एवं जन स्वास्थ्य' विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, के साथ अधिष्ठाता पशुचिकित्सा, डा. जी.के. सिंह, और संयुक्त निदेशक शैक्षणिक डेरी फार्म, डा. बृजेश सिंह, मंचासीन थे।

कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने अपने मुख्य अतिथि के संबोधन में बताया कि १६५ मिलियन टन वार्षिक उत्पादन के साथ दुग्ध के मामले में भारत आज दुनिया में पहले स्थान पर है। भारत ने पिछले एक दशक में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अप्रत्याशित प्रगति की है। उन्होंने बताया कि डा. वर्गीज कुरियन ने आपरेशन फ्लड कार्यक्रम की शुरूआत कर देश को दुग्ध क्षेत्र में आगे लाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि दुग्ध एक पूर्ण आहार है, जिसमें लगभग सभी पोषक तत्व पाये जाते है और यह मनुष्यों के स्वास्थ्य के लिए जीवन का आधार है, लेकिन आज दुग्ध में मिलावट के कारण मनुष्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जैविक खेती पर बल देते हुए कहा कि हरित क्रांति की शुरूआत में अधिक रसायनों के उपयोग से उत्पादन तो बढ़ा लेकिन आज मृदा की स्थिति प्रभावित हुयी है। पंजाब और हरियाणा के भटिंडा में आज खाद्य उत्पादन काफी ज्यादा दूषित हुआ है और इसे सुधारने में पशुपालन एक अहम भूमिका निभा सकता है। कार्बनिक खाद की पूर्ति के लिए डेयरी का अपशिष्ट एक महत्वपूर्ण अवयव है। उन्होंने दुग्ध की उत्पादकता को बढ़ाने के साथ उसकी गुणवत्ता, स्वच्छता व दुग्ध की मांग की पूर्ति पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बतायी।

अधिष्ठाता, डा. जी.के. सिंह, ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए विश्व दुग्ध दिवस के बारे में बताया तथा कहा कि इसकी शुरूआत २००१ से हुई थी, जिसका उद्देश्य लोगो को दुग्ध और डेयरी उद्योग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि दुग्ध को वैश्विक खाद्य और संतुलित आहार की संज्ञा प्रदान की गई है, साथ ही उन्होंने दुग्ध को संतुलित मात्रा में सेवन करने की सलाह दी। डा. सिंह ने बताया कि आज की स्थिति में दुग्ध उत्पादन में स्वच्छता पर ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे इसके हानिकारक होने की संभावना बनी रहती है।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा आईएएस परीक्षा में ३९वी रैंक प्राप्त करने वाली कृषि प्रौद्योगिकी की पूर्व छात्रा, अपूर्वा पाण्डे, को स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डेयरी कार्यकर्ता श्री पुरूषोत्म शर्मा और सुरेन्द्र यादव के साथ कुक्कुट विभाग के श्री वशिष्ठ को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शैक्षणिक डेरी फार्म, संयुक्त निदेशक, डा. बृजेश सिंह, द्वारा दिया गया। इस दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक डेयरी फार्म में आज प्रातः कुलपति द्वारा गौ पूजन किया गया तथा एक नए गाय बाड़े का उद्घाटन किया।

विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मंचासीन (बायं से दायें) अधिष्ठाता डा. जी.के. सिंह, कुलपति प्रो. ए.के. मिश्रा एवं संयुक्त निदेशक डा. बृजेश सिंह।